



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 97]
No. 97]नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 7, 2007/फाल्गुन 16, 1928
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 7, 2007/PHALGUNA 16, 1928

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 7 मार्च, 2007

सा.का.नि. 181(अ).—दिनांक 4-10-2006 की सा.का.नि. 617(अ) के तहत इस मंत्रालय की अधिसूचना के हिन्दी रूपान्तर के पैरा 4(i), 4(ii), 4(iii), 5(iv), 7(ii) और 7(iv) में निम्नलिखित प्रति स्थापित किया जाये।

पैरा सं.	के स्थान पर	पढ़ा जाए
4 (i) किसान लायर्सेस शुद्धि क्षेत्र से कम किसी भी क्षेत्र में खेती कर सकते हैं। किसान लायर्सेस शुद्धि क्षेत्र से कम क्षेत्र में खेती कर सकते हैं।
4 (ii) दो भूखण्डों से अधिक में अफीम पोस्त की बुआई नहीं सकता है। दो भू-खण्डों से अधिक में अफीम पोस्त की बुआई नहीं कर सकता है।
4 (iii) अनुसंधान संस्थानों को 10 आरी से अधिक क्षेत्र खेती की अनुमति दे सकते हैं। अनुसंधान संस्थानों को 10 आरी से अधिक क्षेत्र में अफीम फसल बोने की अनुमति दे सकते हैं।
5 (iv) तथा जिसे राजकीय अफीम एवं क्षारोद कार्यशाला, नीमच तथा गाजीपुर तथा जिसे राजकीय अफीम एवं क्षारोद कार्यशाला, नीमच अथवा गाजीपुर में किए गए
7 (ii) बशर्ते उसने अगले वर्ष के दौरान निर्धारित उपज प्रस्तुत की हो, बशर्ते उसने निर्धारित उपज प्रस्तुत की हो,
7 (iv) राजकीय अफीम एवं क्षारोद कार्यशाला, नीमच तथा गाजीपुर में किए गए राजकीय अफीम एवं क्षारोद कार्यशाला, नीमच अथवा गाजीपुर में किए गए

[फा. सं. 616/1/2006-स्वापक नियंत्रण-I]

रोहताश सिंह, अवर सचिव